दबंग City
इंदौर
मंगलवार,4 नवंबर 2014

चोइथराम स्कूल में पीआरटीएस की 66वीं कार्यशाला

सायबर टेक्नोलॉजी के गलत इस्तेमाल से बचें स्टूडेंट्स

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

आज के दौर में सायबर टेक्नोलॉजी का उपयोग अपने फायदे के लिए ही करें। इसके संचालन के दौरान गलती करने से बचें। सायबर अपराधों से कैसे बचा जाए यह जानना भी बहुत जरूरी है।

Work Shop

यह बात पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) के निदेशक व आईजी वरुण कपूर ने सोमवार को झलारिया स्थित चोइथराम स्कूल में आयोजित सायबर कार्यशाला में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कही। पीआरटीएस द्वारा ब्लैक रिबन इनिशिएटिव अभियान के तहत यह 66वीं सायबर कार्यशाला थी। इसमें स्कूल के 330 स्टूडेंट्स के साथ 16 फैकल्टी मेंबर्स को भी सायबर सुरक्षा नियमों व प्रक्रियाओं के संबंध में जागरूक किया गया।

वर्च्युअल वर्ल्ड में भी खुद को सुरक्षित रखें

प्रथम सत्र में कपूर ने सायबर सुरक्षा के सभी पहलुओं से अवगत कराया। उन्हें बताया कि स्टूडेंट्स इसका दुरुपयोग न करें। जिस प्रकार हम सामान्य जीवन में सुरक्षित रहकर जीवनयापन करते हैं, उसी प्रकार वर्च्युअल वर्ल्ड में भी स्वयं को सुरक्षित रखने के प्रयास करना चाहिए। इसके लिए सायबर कानून का ज्ञान होना भी जरूरी है। यह एकमात्र ऐसा मूल मंत्र है, जो लोगों को सुरक्षित रख सकता है। दूसरे सत्र में पीआरटीएस के अधीक्षक सुदीप गोयनका ने स्टूडेंट्स को छोटे-छोटे टिप्स दिए, जिससे सायबर स्पेस का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सके। सत्र में विशेष सक्रियता निभाने वाले छात्र समर्थ हवलदार व छात्रा मुस्कान जैन को प्रमाण-पत्र व गोल्डन बैज से सम्मानित किया गया।